कान्हा तेरे आगे, खड़ा हूँ कर जोड़

तर्ज - सावन का महीना , पवन करे सोर ।

कान्हा तेरे आगे, खड़ा हूँ कर जोड़ ,
विनती मेरे सुन लो,ओ मेरे नन्द किशोर -२

हारे हुए को कान्हा, तुम हो जीताते,
भटके हुए को राह दिखाते ,
मैं भी हार गया हूँ ,देखो ना मेरी ओर - २
विनती मेरे सुन लो,ओ मेरे नन्द किशोर -२

महिमा सुनी हैं सब से ,दर की ये तेरी ,
कब होगी पूरी कान्हा, इच्छा ये मेरी
जब तक मेरी सुनो ना ,जाऊ ना कही ओर -२
विनती मेरे सुन लो, ओ मेरे नन्द किशोर -२

क्या मैं बताऊ तुमको, सब तो पता हैं ,
हाल ये मेरा क्या तुमसे छुपा हैं,
कर दो इच्छा पूरी ,तरसाओ ना अब ओर -२
विनती मेरे सुन लो,ओ मेरे नन्द किशोर -२

Lyrics - Jay Prakash Verma , Indore

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34200/title/kanha-tere-aage---khada-hu-kar-jhod

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |